पर्यावरण प्रभावों का सारांश

(संदर्भ: ईआईए अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 (ई) दिनांक 14 सितंबर 2006 और संशोधित रूप में)

केतकी विस्तार भूमिगत कोयला खदान परियोजना

ग्राम: केतका, लाच्छा और जोबगा,

तालुका: सूरजपुर, जिला: सूरजपुर, राज्य: छत्तीसगढ़

खनन क्षेत्र: **548.65** हेक्टेयर

prastavitउत्पादन क्षमता: **0.87** मिलियन टन प्रति वर्ष

(परियोजना श्रेणी 'ए') (ब्राउनफील्ड परियोजना)

द्वारा प्रस्तुत

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड को सार्वजनिक जनसुनवाई के लिए प्रस्तुत

परियोजना प्रस्तावक

मेसर्स साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सीपत रोड, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) पिन: 495006

पर्यावरण सलाहकार

सृष्टि सेवा प्राइवेट लिमिटेड

एनएबीईटी द्वारा अनुमोदित

प्रमाणपत्र संख्या :एनएबीईटी/ईआईए/25-28/आरए 0423, वैधता: 12/05/2028

जनवरी 2026

पर्यावरणीय प्रभावों का सारांश

यह परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समग्र औचित्य के साथ-साथ प्रमुख परियोजना मापदंडों का संक्षिप्त सारांश प्रदान करता है और यह स्पष्टीकरण देता है कि ईआईए अधिसूचना 2006 के परिशिष्ट □□□ की सामान्य संरचना के अंतर्गत आवश्यकतानुसार प्रतिकूल प्रभावों को कैसे कम किया गया है। इसके अलावा, किए गए अध्ययनों के निष्कर्ष भी शामिल किए गए हैं।

1.0 कोयला ब्लॉक का आवंटन:

केतकी भूमिगत परियोजना, में SECL की एक अविरत परियोजना है और लखनपुर कोलफील्ड के केतकी जियोलॉजिकल ब्लॉक का हिस्सा है । यह ब्लॉक अब बिश्रामपुर एरिया में रैशनलाइज़्ड ब्लॉक यानी रेहर वेस्ट ब्लॉक (कोल ब्लॉक के रैशनलाइज़ेशन के बाद) का हिस्सा है । प्रोजेक्ट की मौजूदा पर्यावरण स्वीकृती 0.42 MTPA कैपेसिटी के लिए है। EIA नोटिफिकेशन 2006 के प्रोविज़न के अनुसार खदान की उत्पादन क्षमता को 0.42 MTPA से बढ़ाकर 0.87 MTPA करने का प्रस्ताव है।

2.0 परियोजना का स्थान:

मेसर्स एसईसीएल के केतकी कोल ब्लॉक में केतकी भूमिगत कोयला खनन परियोजना छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के सूरजपुर तहसील के जोबगा, लच्छा और केतका गांवों की भूमि को कवर करती है । पट्टे का क्षेत्रफल 548.65 हेक्टेयर है।

केतकी ब्लॉक करीब 14 sq. km में फैला है। यह SECL के बिश्रामपुर एरिया में लखनपुर कोलफील्ड के नॉर्थ सेंट्रल हिस्से में है । यह ब्लॉक लैटीट्यूड 23°05'40" से 23°09'24" N और लॉन्गीट्यूड 82°49'43" से 82°55'00" E से घिरा है, और सर्वे ऑफ इंडिया टोपो-शीट नंबर 64 I/16 के तहत आता है।

3.0 परियोजना क्षेत्र और भूमि की आवश्यकता:

प्रोजेक्ट एरिया 548.65 ha माइनिंग लीज़ एरिया है, जिसका इस्तेमाल माइनिंग और उससे जुड़ी एक्टिविटीज़ जैसे अंडरग्राउंड एंट्री (इनक्लाइन), रोड और इंफ्रास्ट्रक्चर, सेफ्टी ज़ोन वगैरह के लिए किया जाएगा।

548.65 ha एरिया में 309.81 ha किराए की ज़मीन, 30.85 ha सरकारी नॉन-फॉरेस्ट बंजर ज़मीन और 207.99 ha फॉरेस्ट ज़मीन शामिल है। इस 548.65 ha ज़मीन में से, सिर्फ़ 5.30 ha ज़मीन को सरफेस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए All Rights के तहत एक्वायर करने की ज़रूरत है और वह एक्वायर कर ली गई है, बाकी 543.35 ha ज़मीन माइनिंग राइट्स के तहत होगी। 207.99 ha के लिए ज़रूरी स्टेज-2 फॉरेस्ट क्लीयरेंस भी F. No - 8-13/2016-FC तारीख 28.02.2019 के ज़रिए मिल गया है।

4.0 प्रोजेक्ट साइट की मौजूदा स्थिति:

केतकी अंडरग्राउंड एक्सपेंशन कोल माइन एक ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट है और 548.65 हेक्टेयर एरिया में 0.42 MTPA की मौजूदा □□ कैपेसिटी के लिए वैधानिक मंजूरी और अनुमोदन प्राप्त होने के बाद माइनिंग से जुड़ी सभी एक्टिविटी पहले से ही शुरू हैं।

5.0 पर्यावरण संवेदनशीलता:

प्रोजेक्ट साइट के अंदर या प्रोजेक्ट साइट के 10 kms एरिया में कोई नेशनल पार्क, वाइल्डलाइफ़ सैंक्चुअरी, बायोस्फीयर रिज़र्व या जानवरों का माइग्रेटरी कॉरिडोर मौजूद नहीं है। जोबगा नाला प्रोजेक्ट एरिया की पूर्वी सीमा से सटा हुआ है।

6.0 टीओआर और बेस लाइन डेटा मॉनिटिरींग का अनुदान:

परियोजना के लिए टीओआर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा □□□□□□ □□□ आइडेंटिफिकेशन नंबर □□24□0102□□5312564□, तारीख 2 जुलाई 2025 को प्रदान किया गया. बेस लाइन डेटा अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के दौरान 12 हफ़्तों के समय के लिए इकट्ठा किया गया था।

7.0 खनन पद्धति:

अविरत खदान के उत्पादन क्षमता का प्रस्तावित विस्तार की योजना मौजुदा व्यवस्था मैकेनाइज्ड अंडरग्राउंड माइनिंग मेथड से चलाने का है, जिसमें कोयला निकालने के लिए कंटीन्यूअस माइनर का इस्तेमाल किया जाएगा। रेगुलर ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की उम्मीद नहीं है और यह तभी किया जाएगा जब कोई सख्त परत/चट्टान मिले।

8.0 खदान का उत्पादन, भंडार और जीवन

इस प्रोजेक्ट में खदान के ऑपरेशन के तीसरे साल में 0.87 MTPA का नॉर्मल प्रोडक्शन और खदान का बाकी 15 साल का आयुष्य रहेगा।

9.0 जनशक्ति, जल एवं विद्युत आवश्यकता

यह प्रोजेक्ट लगभग 461 लोगों को सीधे तौर पर रोजगार देगा और साथ ही कई अप्रत्यक्ष रोज़गार के मौके भी पैदा करेगा।

ग्राउंडवाटर निकालने और डीवॉटरिंग के लिए 3006 क्यूबिक मीटर/दिन तक का CGWA NOC मिल गया है और यह 26-10-27 तक वैलिड है। प्रोजेक्ट की पानी की ज़रूरत 1095 KLD होने का अनुमान है। इसमें से, 1086 KLD इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए और 9 KLD घरेलू इस्तेमाल के लिए ज़रूरी है। इंडस्ट्रियल पानी के इस्तेमाल का ब्रेकअप इस प्रकार है: 540 KLD पानी कंटीन्यूअस माइनर पैकेज के लिए, 112 क्यूबिक मीटर/दिन UG डस्ट सप्रेशन के लिए, 400 क्यूबिक मीटर/दिन सरफेस हॉल रोड पर डस्ट सप्रेशन के लिए, 3 क्यूबिक मीटर/दिन ग्रीन बेल्ट के लिए, 10 क्यूबिक मीटर/दिन वर्कशॉप के लिए, 5 क्यूबिक मीटर/दिन फायर सर्विसेज के लिए, 16 क्यूबिक मीटर/दिन CHP के लिए, 9 क्यूबिक मीटर/दिन ऑफिस और रेजिडेंशियल सर्विसेज के लिए और बाकी 1911 क्यूबिक मीटर/दिन आसपास के गांवों के पीने/घरेलू इस्तेमाल के लिए होगा/प्राकृतिक जल स्रोत में छोड़ा जाएगा। घरेलू पानी बोरवेल के ज़रिए ग्राउंडवाटर से लिया जाएगा, जिसके लिए ज़रूरी मंज़ूरी मिल गई है। इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए पानी सक्षम अथॉरिटी से मिली उपरोक्त मंज़ूरी के आधार पर माइन पिट वॉटर से लिया जाएगा।

0.87 MTPA ROM कोयले की रेटेड पीक कैपेसिटी के आधार पर पावर की ज़रूरत 3.3 kV पर 8 MVA प्रत्याशित है।

10.0 पुनर्वास:

यहा एक भूमिगत खनन परियोजना होने से इंफ्रास्ट्रक्चर के 5.30 ha ज़मीन की ज़रूरत है जिसका अधिग्रहण हो चुका है। प्रस्तावित विस्तारीकरण के लिए और ज़मीन खरीदने की ज़रूरत नहीं है। अतः पुर्नस्थापन एवं पूर्नवास की परिकल्पना नही की गई है।

11.0 आधार रेखा पर्यावरण:

हवा, ध्वनि, पानी, ज़मीन और सोशियो-इकोनॉमिक के लिए बेस लाइन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी डेटा अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के दौरान 12 हफ़्तों के लिए एकत्रित किया गया था। पेड़-पौधों और जानवरों, ज़मीन के इस्तेमाल के पैटर्न, जंगल वगैरह पर अन्य एनवायर्नमेंटल डेटा भी फील्ड सर्वे से एकत्र किया गया था और राज्य सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट से भी इकट्ठा किया गया था।

12.0 वायु पर्यावरण:

एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग 12 स्टेशनों पर की गई, जिसमें कोर ज़ोन (प्रोजेक्ट एरिया) के अंदर 3 सैंपलिंग स्टेशन और बफ़र ज़ोन (कोर ज़ोन के आसपास 10 kms) में 9 सैंपलिंग स्टेशन शामिल थे। केतकी अंडरग्राउंड एक्सपेंशन कोल माइन प्रोजेक्ट एरिया और उसके बफ़र ज़ोन की एम्बिएंट एयर क्वालिटी से पता चला कि मॉनिटर किए गए सभी पैरामीटर्स की सांद्रता □□□□ और □□ के तय स्टैंडर्ड्स के अंदर था।

13.0 सतही एवं भूजल पर्यावरण

अभ्यास क्षेत्र में मौजूद 7 ग्राउंड वॉटर और 7 सरफेस वॉटर मॉनिटरिंग स्टेशनों से पानी की क्वालिटी मॉनिटरिंग की गई। पानी के सैंपल की क्वालिटी दिखा रही है कि क्षेत्र के पानी के सोर्स प्रदूषित नहीं हैं, सिवाय सरफेस वॉटर सैंपल के जो सरफेस रन-ऑफ से कंटैमिनेशन पा रहे हैं। कोलीफॉर्म वैल्यू एक्सेप्शन हैं, वरना सभी पानी के सैंपल संबंधित इंडियन स्टैंडर्ड्स में दी गई लिमिट के अंदर अपनी खासियतें दिखा रहे हैं।

14.0 ध्वनि वातावरण:

लीज़ एवं बफ़र ज़ोन में ध्वनि का लेवल आम तौर पर सभी मॉनिटर की गई जगहों पर तय रेगुलेटरी लिमिट के अंदर पाया गया।

15.0 वनस्पति एवं जीव

□□□ के लिए इंटरनल इनपुट के तौर पर पेड़-पौधों और जानवरों का फील्ड सर्वे किया गया है। प्रोजेक्ट एरिया में और आस-पास के 10 km के दायरे में फील्ड सर्वे किए गए। कोर और बफर में पेड़-पौधों और जानवरों की लिस्टिंग की गई है। रिपोर्ट की गई शेड्यूल-I प्रजातियो के लिए एक स्थल विशिष्ट

वाइल्डलाइफ कंज़र्वेशन प्लान तैयार किया गया है और अनुमोदन के लिए संबंधित अथॉरिटी को जमा किया गया है।

16.0 भूमि पर्यावरण:

स्टडी एरिया (माइन साइट के चारों ओर 10 km रेडियस) के लैंड यूज़ पैटर्न का अनुमान सैटेलाइट इमेज का इस्तेमाल करके लगाया गया है।

17.0 मृदा पर्यावरण:

मौजूदा केतकी अंडरग्राउंड कोयला खदान लीज़ एरिया के आसपास की मिट्टी की क्वालिटी का पता लगाने के लिए, अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच स्टडी एरिया में चार चुनी हुई जगहों से मिट्टी के सैंपल इकट्ठा किए गए।

18.0 सामाजिक-आर्थिक वातावरण:

सामाजिक-आर्थिक वातावरण जानकारी के लिए प्राथमिक सोशियो-इकोनॉमिक सर्वे के साथ साथ गौण आकडो का इस्तेमाल किया गया है|

19.0 प्रत्याशित प्रभाव और शमन के उपाय:

- अलग-अलग एनवायरनमेंटल पैरामीटर्स विभिन्न पहलू का अभ्यास होने वाले असर का अंदाज़ा लगाने के लिए किया गया है और अलग-अलग टेक्नीक्स से संभावित असर की पहचान की जाती है।
- प्रोडक्शन में प्रस्तावित बढ़ोतरी से होने वाले एमिशन के कारण ग्राउंड लेवल कंसंट्रेशन का अनुमान लगाने के लिए, □□□ से मंज़ूर इंडस्ट्रियल सोर्स कॉम्प्लेक्स □□□□□□ व्यू मॉडल का इस्तेमाल किया गया है।
- PM10 और PM2.5 का अनुमानित 24 घंटे का ग्राउंड लेवल इंक्रीमेंटल कंसंट्रेशन 0.248 □□/□^{3} और 0.217 □□/□^{3} होने का अनुमान है। काम की जगह पर अलग-अलग। यह अनुमान अलग-अलग माइनिंग ऑपरेशन और सबसे खराब स्थिति में साइट के खास मौसम के डेटा पर आधारित है।
- माइनिंग ऑपरेशन की वजह से खदान से पंप किए गए पानी को सीधे प्राकृतिक जल स्रोतों में छोड़ने से सतह के पानी में प्रदूषण हो सकता है। सही कंट्रोल उपायों के लिए, खदान से पंप किए गए पानी को सतह पर एक सेडिमेंटेशन टैंक में इकट्ठा किया जाता है और ट्रीट किया जाता है। फिर इस ट्रीट किए गए पानी का इस्तेमाल अलग-अलग इंडस्ट्रियल और घरेलू/खेती के कामों के लिए किया जाता है।
- कंटीन्यूअस माइनर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मैकेनाइज्ड अंडरग्राउंड माइनिंग तरीके से रिज़र्व को लिक्विडेट करने का प्रस्ताव है । 548.65 □□ माइनिंग लीज़ एरिया में से, 543.35 □□ का इस्तेमाल माइनिंग राइट्स के तहत कोयला निकालने के लिए कम से कम 58 □ की गहराई से और 117 □ की आखिरी गहराई तक किया जाएगा। 0.775 □□ (माइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एक्टिविटीज़ की वजह से डिस्टर्ब/एक्वायर की गई 5.30 □□ में से) ज़मीन पर प्लांटेशन किया जाएगा, जिसमें बैरियर, सेफ्टी ज़ोन और आस-पास का इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है।

- SECL ने उपलब्ध ज़मीन में लगभग 0.775 हेक्टेयर (इंफ्रास्ट्रक्चर एरिया के आसपास) ज़मीन पर 1938 पौधे लगाने का प्रस्ताव दिया है और खदान के डीपिलरिंग चरण के दौरान खदान के जीवनकाल में चरणबद्ध तरीके से आगे भी पौधारोपण गतिविधियाँ की जाएंगी। MoEF&CC के दिशानिर्देशों के अनुसार, वन विभाग से सलाह करके 2500 पेड़/हेक्टेयर की दर से स्थानीय पेड़ की प्रजातियाँ लगाने का प्रस्ताव है।
- CSR एक्टिविटीज़ के तहत, अलग-अलग स्कूलों और आस-पास के गांवों के स्टूडेंट्स को फलों के पौधे (जैसे अमरूद, आम, जामुन, चीकू वगैरह) बांटने का प्रस्ताव है। स्टूडेंट्स को इन पौधों को अपने घरों के पीछे और स्कूल के कैंपस में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्हें इन पेड़ों की देखभाल करने और उन्हें बड़ा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।
- कोयले का परिवहन रेल द्वारा अंतिम उपयोग के लिए निर्धारित स्थान तक किया जाएगा। हालांकि, कोयले को भूमिगत खदान से सतह पर स्थित सीएचपी (चाइल्ड प्रेशर पंप) तक बेल्ट कन्वेयर द्वारा पहुंचाया जाएगा। सीएचपी में स्क्रीनिंग के बाद, इस कोयले को खनन पट्टे से लगभग 22.30 किलोमीटर दूर स्थित कुमदा रेलवे साइडिंग तक सड़क मार्ग से ले जाया जाएगा। उपलब्ध सड़क नेटवर्क अतिरिक्त परिवहन भार को संभालने के लिए पर्याप्त है। यदि 100% परिवहन सड़क मार्ग से किया जाता है, जो कि प्रतिदिन 2852 टन (पीक उत्पादन पर) होता है, तो दोतरफा आवागमन को ध्यान में रखते हुए 20 टन क्षमता वाले 286 डंपरों का अतिरिक्त यातायात होगा। परिवहन मार्ग का रखरखाव एसईसीएल द्वारा नियमित रूप से किया जाएगा और दिन में तीन बार जल छिड़काव किया जाएगा, साथ ही मार्ग पर उपलब्ध स्थानों पर वृक्षारोपण भी किया जाएगा।
- आस-पास के इलाके के सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था पर इसका अच्छा असर होगा, क्योंकि खदान से सीधे तौर पर करीब 461 वर्कर को नौकरी मिलेगी। नौकरी के लिए इलाके के लोकल लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। सेकेंडरी और टर्शियरी सेक्टर में भी बहुत संख्या में नौकरियां मिलेंगी।
- स्टेट हाईवे पर ट्रैफिक की वजह से पहले से मौजूद इलाके के अलावा बायो डाइवर्सिटी पर बहुत कम असर पड़ेगा।

20.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना:

एक व्यापक पर्यावरण प्रबंधन योजना, जिसमें 0.775 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट का विकास शामिल है, का सुझाव दिया गया है। खदान की बाकी अवधि के दौरान माइन के डिपिलरिंग चरण में और पेड़ लगाए जाएंगे।

6.83 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय और सुझाए गए एनवायरनमेंट मैनेजमेंट प्लान को लागू करने के लिए 1.53 करोड़ रुपये का राजस्व व्यय में खर्च होने का अनुमानित है ।

21.0 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

□□□□ ने लागू कानूनों के अनुसार कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के कार्यान्वयन के लिए 2.75 करोड़ रुपये (पहले पांच वर्षों के लिए) का पूंजीगत व्यय और 0.69 करोड़ रुपये (पहले पांच वर्षों के लिए) का आवर्ती वार्षिक व्यय प्रस्तावित किया है।

22.0 कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी:

□□□□&CC के लागू कानूनों/गाइडलाइन के अनुसार कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी को लागू करने के लिए □□□ के अलावा कुल 2.58 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव दिया है।

23.0 परियोजना के कार्यान्वयन के लिए समग्र औचित्य:

केतकी अंडरग्राउंड एक्सपेंशन कोल माइनिंग प्रोजेक्ट सप्लाई चेन का डाउनस्ट्रीम इंटीग्रेशन देता है, जिससे अपने सोर्स से कोयले की सप्लाई पर कंट्रोल मिलता है। इससे आखिरकार भविष्य में डिमांड बढ़ने पर पावर जेनरेशन में ज़्यादा एफिशिएंसी और फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है।

कोयले की डिमांड/सप्लाई की स्थिति को देखते हुए, केतकी अंडरग्राउंड एक्सपेंशन कोल माइनिंग प्रोजेक्ट से कोयला निकालना देश की अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक रूप से फायदेमंद है।
इसके अलावा, यह प्रोजेक्ट रोज़गार के और मौके पैदा करेगा, माइनिंग एरिया का आस-पास का डेवलपमेंट करेगा और राज्य के खजाने में भी योगदान देगा।

इन सारे पहलू को देखते हुए, केतकी अंडरग्राउंड एक्सपेंशन कोल माइनिंग प्रोजेक्ट को लागू करना न्यायहित है।

24.0 प्रतिकूल प्रभावों को कैसे कम किया जाता है, इस पर स्पष्टीकरण:

EIA/EMP रिपोर्ट ने प्रोजेक्ट एरिया का बेस लाइन एनवायरनमेंट तय किया है और पूरी इकोलॉजी और एनवायरनमेंट पर प्रोजेक्ट के असर का अंदाज़ा लगाया है। इसके हिसाब से, मुख्य एनवायरनमेंटल पैरामीटर्स के मैनेजमेंट के लिए आम और खास कम करने के उपाय सुझाए गए हैं। इसके अलावा, एनवायरनमेंट मैनेजमेंट प्लान की मॉनिटरिंग और उसे लागू करने के खास उपायों के साथ-साथ पॉल्यूशन कंट्रोल उपायों को लागू करने के लिए ज़रूरी फंड की जानकारी भी रिपोर्ट में शामिल है।

सुझाए गए एनवायरनमेंट मैनेजमेंट प्लान को लागू करके प्रोजेक्ट के व्दारा होनेवाले हानिकारक असर को कम किया जा सकता है।

25.0 निष्कर्ष:

केतकी अंडरग्राउंड कोल माइन के प्रस्तावित विस्तार से लोकल एनवायरनमेंट पर कुछ हानिकारक असर पड़ सकता है। हालांकि, इस ड्राफ्ट EIA/ EMPरिपोर्ट में सुझाए गए और MoEF&CC, CPCB और स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की सिफारिश के अनुसार, सही उपायों और एनवायरनमेंट मैनेजमेंट प्लान को अच्छे से लागू करने से, हानिकारक असर को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दूसरी तरफ, यह प्रोजेक्ट इलाके की इकॉनमी में वृद्धी के मामले में पॉजिटिव और फायदेमंद असर लाएगा। इससे इकॉनमी ज़्यादातर खेती वाली से काफी हद तक इंडस्ट्रियल हो जाएगी, सरकारी आय और राजस्व बढ़ेगा और इलाके के व्यापक विकास की रफ़्तार तेज़ हो जाएगी।

प्रस्तावित प्रोजेक्ट से प्रोजेक्ट क्षेत्र और आस-पास के गांवों में बड़ी संख्या में लोगों को सीधे तौर पर रोज़गार मिलेगा। यह प्रोजेक्ट काफी परिवारों को इनडायरेक्ट रोज़गार भी देगा, जो प्रोजेक्ट के कर्मचारियों के लिए अपनी सेवाये देंगे।

यह प्रोजेक्ट इलाके में सहायक इंडस्ट्रीज़ को भी बढ़ावा देगा, जिससे न सिर्फ़ रोज़गार की संभावना बढ़ेगी बल्कि इलाके का आर्थिक आधार भी मज़बूत होगा।

यह परियोजना इस क्षेत्र के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के हित में होगा और इसलिए इसे लागू किया जा सकता है।

अपील

अनिवार्य प्रक्रिया का पालन करते हुए, M/s. SECL ने पर्यावरण मंज़ूरी के लिए आवेदन किया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF & CC) द्वारा तय दिशानिर्देशों के अनुसार ज़रूरी वैज्ञानिक अध्ययन किए गए हैं। प्रस्तावित प्रोजेक्ट के प्रभावों के लिए सभी विशेषज्ञों, सक्षम अधिकारियों और सरकारी अधिकारियों के सुझाव/सिफारिशें मांगी जा रही हैं। प्रस्तावित खनन प्रोजेक्ट के लिए एक फुलप्रूफ पर्यावरण प्रबंधन योजना बनाने और प्रोजेक्ट के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए स्थानीय निवासियों, समुदाय आधारित संगठनों, सामाजिक संगठनों के विचार और मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण हैं। पर्यावरण के सभी घटकों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए ज़रूरी फंड, मैनपावर और मशीनरी का आवंटन किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि M/s. साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित केतकी विस्तार भूमिगत कोयला खदान प्रोजेक्ट (उत्पादन क्षमता 0.87 MTPA) को संचालित करने से पहले संबंधित सक्षम अधिकारियों से सभी अनिवार्य मंज़ूरियां ली जाएंगी। M/s. SECL पर्यावरण में सुधार के लिए सुझावों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और आश्वासन देता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए अधिकतम सीमा तक हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस निवेदन के साथ, सभी प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे केतकी विस्तार भूमिगत कोयला खदान प्रोजेक्ट के लिए उत्पादन में प्रस्तावित विस्तार के लिए अपनी सहमति दें।

अस्वीकरण

उपरोक्त सारांश का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद किया गया है। अनुवाद करते समय, सार्थक अनुवाद सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। सारांश में उल्लिखित विषयों/कथनों पर किसी भी आपत्ति/सुझाव या विसंगति की स्थिति में, अंग्रेजी में मूल दस्तावेज़ को प्राथमिकता दी जाएगी और तदनुसार स्पष्टीकरण स्वीकार किया जाएगा।